



RAJYOG  
*An Ethnicity*

Aasmaan Silk





श्रीचि॥१८॥ नगदी इतिश्चो करव्या । वृररी प्रव्या चीयेव्या । नाना विनी विनांरव्यो  
। पुलकाकाले ॥ २०॥ इति रासवीपे गुरुशिष्यसंवादे ।





RAJYOG  
*An Ethnic*

1001



RAJYOG  
*In Elegance*



1001



RAJYOG

An Ethnicity

1001





1001

टांक तोडणी। नाना प्रेंदों रेसाटणी। विप्रविचित्र करण  
कराव्या। बुरो फुव्या चोटीव्या। नाना विनी विनारव्या।  
इतिदासवापे गुरुद्विप्यसंवादे।

  
RAJYOG  
*An Ethnicity*



1004



1005



1006

नाना जिनसी टांक तोडणी। नाना प्रेंदों रेसाटणी। विप्रविचित्र करण  
कराव्या। बुरो फुव्या चोटीव्या। नाना विनी विनारव्या।  
इतिदासवापे गुरुद्विप्यसंवादे।



वि। पुढे मातृ... नाना जिनसी ॥१९॥ नाना जिनसी  
अश्विन... मंगल मसीचे ॥१९॥ नगदी इति  
गना बरु... पुलादादारे ॥२०॥



1001



1002



1003

वि। पुढे मातृ... नाना जिनसी ॥१९॥ नाना जिनसी  
अश्विन... मंगल मसीचे ॥१९॥ नगदी इति  
गना बरु... पुलादादारे ॥२०॥